



प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना

प्रलिस के लिये:

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना, प्रधानमंत्री कसिन सम्मान नधि (पीएम-कसिन), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ।

मेन्स के लिये:

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के लाभ, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना संबधी मुद्दे ।

चर्चा में क्यों?

अधिकांश अर्थशास्त्री सभी कृषि सब्सिडी को प्रत्यक्ष आय सहायता अर्थात् कसिनो को [प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण](#) में बदलने की वकालत करते हैं ।

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) योजना:

- **उद्देश्य:** इस योजना को लाभार्थियों तक सूचना एवं धन के तीव्र प्रवाह एवं वितरण प्रणाली में धोखाधड़ी को कम करने के लिये सहायता के रूप में परकिलपति कथिा गया है ।
- **कार्यान्वयन:** इसे भारत सरकार द्वारा 1 जनवरी, 2013 को सरकारी वितरण प्रणाली में सुधार करने हेतु एक मशिन के रूप में शुरू कथिा गया था ।
 - महालेखाकार कार्यालय की [सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली \(PFMS\)](#) के पुराने संस्करण यानी 'सेंटरल प्लान स्कीम मॉनीटरिंग सिस्टम' को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के लिये एक प्लेटफॉर्म के रूप में चुना गया था ।
- **DBT के घटक:** प्रत्यक्ष लाभ योजना के कार्यान्वयन के प्राथमिक घटकों में लाभार्थी खाता सत्यापन प्रणाली; [RBI](#), [NPCI](#), सार्वजनिक और नजी क्षेत्र के बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों तथा सहकारी बैंकों के साथ एकीकृत, स्थायी भुगतान एवं समाधान मंच शामिल है (जैसे बैंकों के कोर बैंकिंग समाधान, RBI की नपिटान प्रणाली और NPCI की आधार पेमेंट प्रणाली आदी) ।
- **DBT के तहत योजनाएँ:** DBT के तहत 53 मंत्रालयों की 310 योजनाएँ हैं । कुछ महत्त्वपूर्ण योजनाएँ हैं:
 - [प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना](#), [राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मशिन](#), [प्रधानमंत्री कृषि सिचिाई योजना](#), [पीएम कसिन](#), [स्वच्छ भारत मशिन ग्रामीण](#), [अटल पेंशन योजना](#), [राष्ट्रीय आयुष मशिन](#) ।
- **आधार अनविर्य नहीं:** DBT योजनाओं में आधार अनविर्य नहीं है । चूँकि आधार वशिषिट पहचान प्रदान करता है और इच्छति लाभार्थियों को लक्षति करने में उपयोगी है, इसलिये आधार को प्राथमकित्ता दी जाती है और लाभार्थियों को आधार के लिये प्रोत्साहति कथिा जाता है ।

DBT के लाभ:

- **सेवाओं के कवरेज का वसितार:** एक मशिन-मोड दृष्टिकोण में, इसने सभी परविरों के लिये बैंक खाते खोलने, सभी के लिये [आधार](#) का वसितार करने और बैंकिंग तथा दूरसंचार सेवाओं के कवरेज को बढ़ाने का प्रयास कथिा ।
- **तत्काल और आसान मनी ट्रांसफर:** इसने आधार पेमेंट ब्रजि बनाया ताकि सरकार से लोगों के बैंक खातों में तत्काल धन हस्तांतरण कथिा जा सके ।
 - इस दृष्टिकोण ने न केवल सभी ग्रामीण और शहरी परविरों को सीधे अपने बैंक खातों में सब्सिडी प्राप्त करने के लिये वभिन्निन सरकारी योजनाओं के तहत वशिषिट रूप से जोड़ने की अनुमति दी, बल्कि आसानी से धन भी हस्तांतरति कथिा ।
- **वित्तीय सहायता:** ग्रामीण भारत में, DBT ने सरकार को कम लेन-देन लागत वाले कसिनो को प्रभावी ढंग से और पारदर्शी रूप से वित्तीय सहायता प्रदान करने की अनुमति दी है ।
- **वित्त का हस्तांतरण और सामाजिक सुरक्षा:** शहरी भारत में, [PM आवास योजना](#) और [LPG पहल योजना](#) पात्र लाभार्थियों को धन हस्तांतरति करने के लिये DBT का सफलतापूर्वक उपयोग करती है । वभिन्निन छात्रवृत्ति योजनाएँ और [राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम](#) सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिये DBT आर्कटिकचर का उपयोग करते हैं ।
- **नए अवसरों का द्वार:** [मैला ढोने वालों के पुनरवास के लिये स्वरोजगार योजना \(Self Employment Scheme for Rehabilitation of Manual Scavengers- SRMS\)](#) जैसे पुनरवास कार्यक्रमों के तहत DBT नए अवसर प्रदान करता है जो समाज के सभी वर्गों की सामाजिक गतिशीलता को सक्रम बनाता है ।

DBT से संबंधित चुनौतियाँ:

- **अभिम्यता का अभाव:** नामांकन करने का प्रयास करने वाले नागरिकों द्वारा सामना की जाने वाली सबसे प्रमुख समस्याओं में से एक नामांकन केंद्रों तक पहुँच/निकटता की कमी, अनुपलब्धता, या नामांकन के लिये ज़म्मेदार अधिकारियों/संचालकों की अनयिमति उपलब्धता आदि है।।
- **सुविधाओं की कमी:** अभी भी कई ग्रामीण और आदवासी क्षेत्र हैं, जिनमें बैंकिंग सुविधा एवं सड़क संपर्क नहीं है। **वित्तीय साक्षरता** की भी आवश्यकता है जो लोगों में जागरूकता बढ़ाएगी।
- **अनशिचिताएँ:** आवेदनों को स्वीकार करने और आगे बढ़ाने में देरी जैसी समस्या है। आवश्यक दस्तावेज़ीकरण और उसमें पाई गई त्रुटियों/समस्याओं को प्राप्त करने में कठिनाई होती है।।
- **प्रक्रिया में व्यवधान:** DBT के माध्यम से उनके बैंक खातों में धन प्राप्त करने के संदर्भ में सबसे प्रमुख मुद्दों में से एक भुगतान कार्यक्रम में व्यवधान है।
 - व्यवधान के कारण आधार वविरण में वरतनी की त्रुटियाँ, लंबित KYC, बंद या नषिक्रयि बैंक खाते, आधार और बैंक खाते के वविरण में बेमेल आदि हो सकते हैं।
- **लाभार्थियों की कमी:** प्रधानमंत्री कसिान सममान नधि (पीएम-कसिान), तेलंगाना सरकार के रायथु बंधु और आंध्र प्रदेश के वाईएसआर रायथु भरोसा सहति वभिन्न प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) योजनाएँ पटाईदार कसिानों तक नहीं पहुँचती हैं, यानी पट्टे की भूमि पर खेती करने वालों तक नहीं पहुँचती हैं।

आगे की राह

- **नवोन्मेष का व्यवस्थितकरण:** नवोन्मेष प्रणाली को सशक्त बनाना कुछ ऐसे पहलू हैं जनि पर नरितर ध्यान देने की आवश्यकता होगी।
 - यह भारत की आबादी की वविधि ज़रूरतों को पूरा करने और संतुलति, न्यायसंगत तथा समावेशी वकिस सुनशिचति करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिएगा।
- **उपलब्धता:** वशिष रूप से ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में वभिन्न योजनाओं में नागरिकों के लयि नामांकन केंद्रों तक पहुँच बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है।
- **सभी के लयि एक सामान्य नकिय:** लाभार्थियों को उनके मुद्दों को हल करने में मदद करने के लयि सभी स्तरों- राज्य, ज़िला और ब्लॉक में सभी DBT योजनाओं के लयि एक सामान्य शकियत नविरण प्रकोष्ट की स्थापना।
- **पट्टे पर देना (लीजगि):** वैसे कसिान जनिके पास अपनी जमीन है अथवा वे जनिहोंने पट्टे पर ले रखा है, को समेकति जोत पर संचालन करने में मदद कर सकता है, साथ ही मालिकों को अपनी भूमिके नुकसान संबंधी ज़ोखमि के बनिा गैर-कृषा रोज़गार में भी मदद करता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के माध्यम से सरकारी प्रदेय व्यवस्था में सुधार एक प्रगतशील कदम है, कनितु इसकी अपनी सीमाएँ भी हैं। टपिपणी कीजयि। (2022)

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)